



परमशांति

जागो! समय तुम्हें पुकार रहा है

WAKE UP BEFORE IT'S TOO LATE

स्वयं को जानने से परमशांति तक की यात्रा
आत्मज्ञान, राजयोग, आत्मपरिवर्तन और विश्वकल्याण का संदेश



100,000+

eBook
Downloads
Worldwide

Bapuji Dashrathbhai Patel



2 Crore+ Subscribers

परमशांति का संदेश

जागो!
समय तुम्हें
पुकार रहा है

WAKE UP BEFORE IT'S TOO LATE



स्वयं की पहचान से परमशांति की ओर यात्रा

आत्मज्ञान, ज्ञानयोग, आत्मपरिवर्तन और
विश्वकल्याण का संदेश

दिव्य शिक्षाओं पर आधारित

बापूजी दशरथभाई पटेल

www.paramshanti.org
www.paramshantiblogs.org

विश्व परिवर्तक ईश्वरीय विद्यालय

अहमदाबाद आश्रम का पता:

विश्व परिवर्तक ईश्वरीय विद्यालय

c/o परमशांति भवन

चेनपुर, चेनपुर बस स्टैंड के पास

न्यू रानीप रोड

अहमदाबाद, गुजरात – 382470

कॉपीराइट © विश्व परिवर्तक ईश्वरीय विद्यालय 2026

प्रकाशक: जीवन परम ज्योति पब्लिकेशन्स

ईमेल: jivanparamjyoti@gmail.com

वेबसाइट: <https://jivanparamjyoti.in>

मोबाइल: +91 9624658575

सर्वाधिकार सुरक्षित। अनुमति के बिना किसी भी रूप में इस सामग्री का पुनरुत्पादन निषिद्ध है।

लेखक का उद्देश्य आपके शारीरिक, भावनात्मक और मानसिक कल्याण में सहायक जानकारी प्रदान करना है, जिससे जीवन की गहरी समझ और आध्यात्मिक विकास में सहायता मिल सके। फिर भी, इस जानकारी के आधार पर आपके द्वारा किए गए किसी भी कार्य के लिए लेखक और प्रकाशक कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं करते।

विषय-सूची

बापूजी दशरथभाई पटेल का परिचय.....	4
परमशांति परिवार.....	13
समय की पुकार.....	14
जीवन का उद्देश्य क्या है?.....	16
आत्मकल्याण क्यों आवश्यक है?.....	17
ज्ञान और योग का महत्व.....	18
आत्मनिर्भरता की असली शक्ति.....	19
कालचक्र और वेद-उपनिषद-पुराण का संदेश.....	21
परमशांति महामंत्र.....	22
स्व-परिवर्तन से विश्व-परिवर्तन.....	24
दिव्य महावाक्य.....	26
परमशांति पुस्तकालय.....	30
आगामी फिल्म.....	58
विश्व की दिव्य आत्माओं के लिए संदेश.....	60
संपर्क सूत्र.....	62
स्कैन करें, जुड़ें.....	64

बापूजी दशरथभाई पटेल का परिचय

बापूजी दशरथभाई पटेल एक अनुभवी आध्यात्मिक शिक्षक, लेखक एवं परम सत्य सनातन ज्ञान के प्रचार-प्रसार में समर्पित मार्गदर्शक हैं। उन्होंने अपने जीवनकाल में गहन तपस्या, ध्यान एवं साधना के माध्यम से परम सत्य, सनातन एवं पूर्ण ब्रह्मज्ञान का गहराई से प्रत्यक्ष अनुभव किया और उस दिव्य ज्ञान को अपने जीवन में आत्मसात कर व्यावहारिक रूप से उतारा। इनका जन्म 13 दिसंबर 1956 को आखज गाँव (मूल निवास: अंबासन), मेहसाणा, गुजरात में हुआ। अपने जीवन के प्रारंभिक वर्षों में उन्होंने कानून के क्षेत्र में पढ़ाई की और आयकर अधिवक्ता (Income Tax Advocate) के रूप में भी सेवाएँ दी। इसके बाद वे आध्यात्मिक ज्ञान, आत्मचिंतन, अनंत ब्रह्मांड का रहस्य और सृष्टि की रचना का ज्ञान तथा मानव कल्याण की दिशा में समर्पित हो गए।

वर्ष 1997 में बापूजी ने विश्व परिवर्तक ईश्वरीय विद्यालय की स्थापना की। लगभग तीन दशकों (30 वर्षों) से यह संस्था उनके मार्गदर्शन में आत्मज्ञान, ध्यान और विश्व-कल्याण की सेवा में निरंतर कार्यरत है।

बापूजी का मुख्य संदेश मनुष्य को उसके वास्तविक स्वरूप की पहचान कराना अर्थात् आत्म स्वरूप से परिचित कराना है। उनके ज्ञान में बहुत स्पष्ट रूप से निम्नलिखित विषयों की चर्चा हुई है। १. आत्मा, परमात्मा का रहस्य, २. सर्वसत्ताधीश almighty authority कौन है? ३. परमात्मा और उनकी शक्ति जिसको शास्त्र कला कहते हैं, उसका रहस्य ४. कर्म और भाग्य का रहस्य ५. मन के सर्जन का रहस्य ६. संस्कार परिवर्तन की विधि ७. सूक्ष्म जगत का रहस्य ८. राज योग में ध्यान की विधि ९. सर्व आत्माओं के सहयोग से कैसे विश्व परिवर्तन संभव होगा। बापूजी ने अपने ज्ञान-प्रवचनों में इन सभी विषयों पर विस्तार से चर्चा की है।

परमशांति मिशन

बापूजी की शिक्षाओं को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से हमारी संस्था परमशांति मिशन के माध्यम से विभिन्न आध्यात्मिक एवं ज्ञानवर्धक कार्यक्रम संचालित करती है।

इस मिशन का उद्देश्य केवल व्यक्तिगत शांति तक सीमित नहीं है, बल्कि मनुष्य को ऐसी चेतना की ओर ले जाना है जिसमें वह स्वयं के साथ-साथ संपूर्ण विश्व की शांति और कल्याण के बारे में भी सोचे।

परमशांति मिशन के अंतर्गत नियमित रूप से आध्यात्मिक ज्ञान, ध्यान, लाइव सत्र, पुस्तकें, डिजिटल माध्यम और जन-जागृति से जुड़े कार्यक्रम संस्था द्वारा किए जाते हैं।

बापूजी के ज्ञान के प्रमुख विषय

बापूजी के आध्यात्मिक ज्ञान में कई गहरे विषयों को सरल भाषा में समझाने का प्रयास किया जाता है। इनमें विशेष रूप से ये विषय शामिल हैं:

- ♦ आत्मा कौन है और मनुष्य की वास्तविक पहचान क्या है?
- ♦ परमात्मा और आत्मा का संबंध
- ♦ कर्म का सिद्धांत और पुनर्जन्म
- ♦ मृत्यु के बाद आत्मा की यात्रा
- ♦ मन, बुद्धि और संस्कार
- ♦ राजयोग और ध्यान की विधि
- ♦ सूक्ष्म जगत और अव्यक्त सृष्टि
- ♦ अनंत ब्रह्मांड का अस्तित्व और सृष्टि रचना का रहस्य
- ♦ मल्टीवर्स (अनंत कोटि समानांतर ब्रह्मांड) का ज्ञान

♦ विश्व परिवर्तन की प्रक्रिया

उनकी शिक्षाओं का केंद्र यह विचार है कि केवल बाहरी दृश्यमान जगत की उपलब्धियाँ ही जीवन का अंतिम उद्देश्य नहीं हैं। मनुष्य के लिए अपने वास्तविक स्वरूप को पहचानना अपने मूल संस्कारों और चेतन स्वरूप को समझना तथा उन्हें आत्मसात् कर अनुभव करना आवश्यक है।

पुस्तकें और ज्ञान का प्रसार

बापूजी के आध्यात्मिक विचारों और शिक्षाओं को पुस्तकों के माध्यम से भी व्यापक रूप से प्रस्तुत किया गया है। आत्मा, परमात्मा, कर्म, पुनर्जन्म, ध्यान, राजयोग, मृत्यु, सूक्ष्म जगत, ब्रह्मांड और आध्यात्मिक विज्ञान जैसे अनेक विषयों पर पुस्तकें हमारी संस्था द्वारा प्रकाशित की गई हैं, जो ई-बुक के रूप में निःशुल्क उपलब्ध हैं (www.paramshantiblogs.org)।

इन पुस्तकों का उद्देश्य गहरे आध्यात्मिक विषयों को सामान्य पाठक के लिए सरल और समझने योग्य रूप में प्रस्तुत करना है।

बापूजी के ज्ञान को पुस्तकों और डिजिटल माध्यमों के द्वारा हिंदी, अंग्रेज़ी और गुजराती सहित विश्व की **25 से अधिक प्रमुख भाषाओं** में उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि यह ज्ञान विश्वभर के अधिक से अधिक लोगों तक पहुँच सके।

डिजिटल माध्यम से आध्यात्मिक सेवा

बापूजी का परम सत्य सनातन ज्ञान आधुनिक डिजिटल माध्यमों से भी बड़ी संख्या में लोगों तक पहुँच रहा है। वीडियो लाइव सत्र, आध्यात्मिक चर्चाएँ, पॉडकास्ट, ई-बुक और ऑडियोबुक जैसे माध्यमों से आत्मज्ञान और गूढ़ ब्रह्म ज्ञान के विषयों को सरल रूप में प्रस्तुत किया जाता है।

इस प्रयास का उद्देश्य यह है कि परम सत्य सनातन ब्रह्म ज्ञान केवल आश्रम या किसी विशेष आध्यात्मिक संस्था तक सीमित न रहे, बल्कि दुनिया में कहीं भी रहने वाला व्यक्ति इसे समझे और धारण कर सके और जीवन परिवर्तन कर सके।

बापूजी के संदेश का मूल भाव

बापूजी की शिक्षाओं का एक महत्वपूर्ण भाव है कि मनुष्य पहले स्वयं को पहचाने।

“मैं केवल यह शरीर नहीं हूँ, मैं आत्मा हूँ” — इस आत्मिक पहचान को जीवन में अनुभव करना आध्यात्मिक साधना की शुरुआत माना जाता है।

बापूजी का परम सत्य सनातन ज्ञान मनुष्य को भय, मोह और अशांति से मुक्त कर उसके जीवन को नई दिशा देता है। यह ज्ञान उसे भौतिक उपलब्धियों से आगे बढ़कर अपने आत्मिक

स्वरूप को पहचानने, आत्मिक जागृति प्राप्त करने और विश्व कल्याण की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है।

श्री अनंत पटेल एवं श्रीमती साक्षी पटेल

श्री अनंत पटेल — बापूजी के सुपुत्र, जो पूर्व में अधिवक्ता (एडवोकेट) रह चुके हैं — और श्रीमती साक्षी पटेल परमशांति मिशन से जुड़े अनुभवी आध्यात्मिक वक्ता और ब्रह्म ज्ञान के साधक और प्रसारक हैं।

दोनों लाइव सत्रों द्वारा सहज राजयोग ध्यान की विधि बताने के साथ-साथ पॉडकास्ट, पुस्तकों और डिजिटल माध्यमों से आत्मज्ञान, राजयोग, कर्म, पुनर्जन्म, मन, संस्कार और आध्यात्मिक जागृति जैसे विषयों को सरल भाषा में लोगों तक पहुँचाते हैं।

श्री अनंत पटेल “स्पिरिचुअल पॉडकास्ट विद अनंत” और रात्रिकालीन लाइव आध्यात्मिक सत्रों के माध्यम से परम

सत्य ब्रह्म ज्ञान साझा करते हैं। वे प्रत्येक सोमवार से शुक्रवार रात 10:00 से 11:00 बजे तक “बापूजी दशरथभाई पटेल” यूट्यूब चैनल पर दैनिक लाइव मेडिटेशन कराते हैं। श्रीमती साक्षी पटेल **“परमशांति मोटिवेशन एंड मेडिटेशन”** यूट्यूब चैनल पर प्रत्येक सोमवार से शनिवार सुबह 5:30 से 6:30 बजे तक होने वाले लाइव ध्यान सत्रों के माध्यम से लोगों को आंतरिक शांति और आत्मिक जागृति की दिशा में प्रेरित करती हैं।

उनकी संयुक्त सेवा का मुख्य उद्देश्य है—

व्यक्तिगत शांति से सामूहिक शांति और सामूहिक शांति से विश्व शांति की ओर बढ़ते हुए, विश्व की प्रत्येक आत्मा में परमशांति की अनुभूति और उसके दिव्य स्पंदनों को जागृत करना।

परमशांति परिवार

परमशांति परिवार एक आध्यात्मिक एवं सेवा-आधारित संस्था है। इसका उद्देश्य आत्मज्ञान, ब्रह्मज्ञान, ध्यान और राजयोग के माध्यम से लोगों को आंतरिक शांति का अनुभव कराना तथा विश्व-कल्याण और शांति का संदेश जन-जन तक पहुँचाना है।

यह संगठन लाइव आध्यात्मिक सत्रों, पुस्तकों, ई-बुक, ऑडियोबुक, पॉडकास्ट, ध्यान कार्यक्रमों और डिजिटल माध्यमों के द्वारा लोगों को आत्मिक जागृति, सकारात्मक जीवन-दृष्टि और सर्व-कल्याण की भावना से जोड़ने का कार्य करता है।

इसका मूल भाव है—
“स्वयं की शांति से सर्व की शांति की ओर अग्रसर
होना।”

समय की पुकार

आज मानवता अनेक प्रकार की अशांति, तनाव, हिंसा, स्वार्थ और असंतुलन से गुजर रही है। ऐसे समय में केवल बाहरी व्यवस्थाओं का परिवर्तन पर्याप्त नहीं है; **मानव चेतना का परिवर्तन भी आवश्यक है।**

जब संस्कार बदलते हैं, विचार/संकल्प बदलते हैं और जीवन में परमशांति, करुणा व जिम्मेदारी बढ़ती है, तभी स्थायी विश्व-परिवर्तन संभव होता है।

अब समय का आह्वान है—स्वयं जागने का, दूसरों को जगाने का और मिलकर एक परम शांत, श्रेष्ठ एवं कल्याणकारी विश्व के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ने का।

क्या भारत बचेगा ?

Bapuji Dashrathbhai Patel

2 CRORE+
SUBSCRIBERS

3 CRORE+ VIEWS

1.8 LAKH LIKES

PART 1

The thumbnail features a large portrait of an elderly man with a white beard and glasses, wearing a white shirt. The background is a collage of images: a stormy sky with lightning, a cityscape, and a river. The text is in bold, blue, sans-serif font.

जीवन का उद्देश्य क्या है?

जीवन का उद्देश्य केवल जन्म लेना, पढ़ना, कमाना, परिवार बनाना और एक दिन शरीर छोड़ देना नहीं है। मनुष्य जीवन हमें स्वयं को जानने, श्रेष्ठ कर्म करने, चेतना के स्तर को ऊँचा उठाने, आत्मकल्याण करने और विश्व-कल्याणकारी आत्मा बनने का अवसर देता है।

परम ज्ञान और योग से जागृत होकर मनुष्य केवल अपना जीवन ही नहीं बदलता, बल्कि अपने ज्ञान को अन्य जिज्ञासु आत्माओं तक पहुँचाकर विश्व-सेवाधारी बन सकता है। वह दूसरों के कल्याण में सहायक बनकर उन्हें सही दिशा में आगे बढ़ने और आत्मिक जागृति की ओर प्रेरित कर सकता है।

स्वयं को जानना, आत्मकल्याण करना, विश्व-
सेवाधारी बनना और मानवता को सही दिशा देना
—यही जीवन की श्रेष्ठ दिशा है।

आत्मकल्याण क्यों आवश्यक है?

मनुष्य जीवन भर शरीर, परिवार, धन और भविष्य के लिए बहुत कुछ करता है, लेकिन अक्सर अपने वास्तविक स्वरूप —आत्मा को भूल जाता है।

आत्मकल्याण का अर्थ है अज्ञान, भय, मोह, अशांति और नकारात्मक संस्कारों से मुक्त होकर अपनी आत्मिक चेतना को जागृत करना। आत्मिक जागृति के माध्यम से आत्मा सहज राजयोग की विधि द्वारा परमशांति को अपने वर्तमान जीवन में ही प्रत्यक्ष रूप से अनुभव कर सकती है।

शरीर और संसार दोनों परिवर्तनशील हैं, इसलिए केवल बाहरी उपलब्धियाँ स्थायी संतोष नहीं दे सकतीं। स्वयं को जानना, अपने कर्मों को शुद्ध करना और चेतना के स्तर को ऊँचा उठाना ही आत्मकल्याण की दिशा है।

जीवन का सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न केवल यह नहीं कि हमने संसार में क्या पाया, बल्कि यह भी है कि हम अपनी आत्मा को कितना जागृत करके गए।

ज्ञान और योग का महत्व

परम ज्ञान हमें परम सत्य, उचित दिशा और जीवन का परम उद्देश्य समझाता है, जबकि योग मन को स्थिर कर उस परम सत्य सनातन ज्ञान को अनुभव करने और धारण करने की शक्ति देता है। ज्ञान के बिना मनुष्य आत्मा दिशाहीन हो जाती है और योग के बिना संस्कार परिवर्तन कमजोर रह जाता है।

संस्कार परिवर्तन के बिना आत्मा अपने व्यर्थ और विकारयुक्त संकल्पों में नष्ट हो जाती है।

उचित समझ, आत्मचिंतन और योग के अभ्यास द्वारा मनुष्य आत्मा के विचार, संस्कार और जीवन की दिशा वास्तव में बदलते हैं।

ज्ञान से समझ, योग से शक्ति—और दोनों से जीवन में सच्चा परिवर्तन परिलक्षित होता है।

आत्मनिर्भरता की असली शक्ति

हर मनुष्य अपने कर्मों से अपना प्रारब्ध बनाता है—जैसा कर्म, वैसा भाग्य और वैसी ही जीवन की दिशा। हमारे कर्म हमारे ज्ञान और अज्ञान से प्रभावित होते हैं; इसलिए परम सत्य ज्ञान के बिना श्रेष्ठ निर्णय और श्रेष्ठ कर्म संभव नहीं होते।

परम सत्य ज्ञान हमें सही समझ और दिशा देता है, जबकि योग उस ज्ञान पर चलने की आंतरिक शक्ति देता है। बिना ज्ञान और योग के आत्मा भय, मोह, भ्रम और परिस्थितियों पर निर्भर बनी रहती है।

जब व्यक्ति परम सत्य ज्ञान से जागरूक होकर श्रेष्ठ कर्म करता है और योग से भीतर से मजबूत बनता है, तभी वह निर्भय, आत्मनिर्भर और स्वयं के भाग्य का निर्माता बनता है। इसी ज्ञानयोग से आत्मा का वास्तविक कल्याण संभव होता है।

**जैसा ज्ञान, वैसा कर्म; जैसा कर्म, वैसा भाग्य—
और श्रेष्ठ ज्ञानयोग से आत्मकल्याण।**

कालचक्र और वेद-उपनिषद-पुराण का संदेश

कालचक्र हमें यह समझाता है कि संसार निरंतर परिवर्तनशील है—सृजन, परिवर्तन, उत्थान और पतन समय के चक्र का हिस्सा हैं।

वेद, उपनिषद और पुराण केवल आध्यात्मिक ग्रंथ नहीं हैं, बल्कि वे मानव जीवन को परम सत्य और सनातन धर्म को समझने, श्रेष्ठ कर्म करने, आत्मज्ञान प्राप्त करने तथा परम तत्व की अनुभूति की दिशा में आगे बढ़ने का मार्गदर्शन देते हैं। इन्हें समस्त मानवता के कल्याण के लिए रचा गया, इसलिए इनका महत्व आज भी अत्यंत गहरा है।

इनका संदेश है—समय को पहचानो, परम सत्य को जानो, श्रेष्ठ कर्म करो, आत्मज्ञान प्राप्त करो और स्वयं का

कल्याण करो। स्वयं के कल्याण से विश्व कल्याण होना ही है।

काल बदलता है, पर परम सत्य, सनातन धर्म और ब्रह्म ज्ञान का महत्व कभी समाप्त नहीं होता।

परमशांति महामंत्र

परमशांति महामंत्र बापूजी दशरथभाई पटेल द्वारा दिया गया वह दिव्य मंत्र है, जिसका सार है—

“बेहद की परमशांति सोचो, बोलो—
परमशांति मिल जाएगी।”

परमशांति केवल मानसिक शांति नहीं, बल्कि आत्मा की सबसे मूल, शुद्ध और उच्च अवस्था है, जिसका सीधा संबंध परमधाम से है और जिसके भीतर परम प्रकाश की ऊर्जा निहित है।

बापूजी के अनुसार सृष्टि का आधार संकल्प अर्थात् स्पंदन है, और परमशांति सृष्टि का मूल स्पंदन है। जब आत्मा आत्मस्वरूप में स्थित होकर इस संकल्प में स्थिर होती है, तो यह स्पंदन मन को शांत करता है, बुद्धि को स्थिर बनाता है, विकारयुक्त संस्कारों और कर्मों के बोझ को हल्का करता है।

जिससे आत्मा का औरा ऐसा एक रक्षा-कवच बना देता है, जिस पर नकारात्मक ऊर्जा सकारात्मक बनकर लौट जाती है।

इस परमशांति महामंत्र के निरंतर जप से घर मंदिर के समान बन जाता है। आत्मा की कला जितनी ऊँची होती है, यह ऊर्जा

उतनी दूर तक फैलती है—घर, समाज, देश, पृथ्वी और ब्रह्मांड से आगे तक यह दिव्य सूक्ष्म ऊर्जा का प्रभाव रहता है।

जब अनेक आत्माएँ मिलकर परमशांति फैलाती हैं, तो वायुमंडल शुद्ध होता है, पंचतत्त्व संतुलित होते हैं और युद्ध व आपदाओं के मूल कारण, यानी नकारात्मक कंपन, कमजोर पड़ने लगते हैं। इसलिए बापूजी कहते हैं—

“अंत के समय में शांति चाहिए तो परमशांति
बोलनी होगी।”

यही स्व-परिवर्तन से विश्व-परिवर्तन का मार्ग है।

स्व-परिवर्तन से विश्व-परिवर्तन

विश्व को बदलने की शुरुआत दूसरों को बदलने से नहीं, स्वयं को बदलने से होती है। जब हमारे विचार, संस्कार, व्यवहार

और दृष्टिकोण शुद्ध होते हैं, तो उसका प्रभाव परिवार, समाज और वातावरण पर भी पड़ता है।

एक शांत व्यक्ति शांति फैलाता है, एक करुणामय व्यक्ति करुणा जगाता है, और एक जागृत आत्मा अनेक लोगों को आत्म-जागृति की ओर प्रेरित कर सकती है।

इसलिए विश्व-परिवर्तन का पहला कदम है—स्व-परिवर्तन।

**मैं बदलूँगा, तो मेरा संसार बदलेगा;
हम बदलेंगे, तो विश्व बदलेगा।**

दिव्य महावाक्य

श्रीमती साक्षी पटेल की पुस्तक
“ध्यान से परमशांति तक” से

1

“आज के समय में ध्यान योग कोई विकल्प मात्र नहीं रह गया, बल्कि यह जीवन की एक आवश्यकता बन चुका है।”

2

“योग का अर्थ है — आत्मा का अपने मूल स्रोत से जीवंत संबंध।”

3

“मन को नियंत्रित नहीं करना है — मन को सही दिशा दिखानी है।”

4

“आँखें बंद करना आरंभ है, भीतर की ओर मुड़ना ध्यान समाधि की शुरुआत है।”

5

“परमशांति सिर्फ शब्द नहीं है — यह एक ऊर्जा है, एक स्पंदन है।”

6

“विचार को भाव से जोड़ो, तो विचार की शक्ति
बढ़ जाती है।”

7

“मैं शरीर नहीं, मैं आत्मा हूँ — यह सबसे पहला
सत्य है।”

8

“आत्मा ही परमशांति है, आत्मा ही परम प्रकाश है,
आत्मा ही परम आनंद है।”

9

“आत्मा का परमात्मा से संबंध जोड़ना — यही योग है, यही सच्चा ध्यान समाधि है।”

10

“भोगी चिंता करता है, योगी चिंतन करता है; चिंता भोग का परिणाम है, चिंतन योग का परिणाम है।”

11

“स्व-परिवर्तन से विश्व-परिवर्तन।”

12

“जब जागो, तब सवेरा।”

13

“निद्रा भी योग बन सकती है, अगर आत्मा मूल
स्रोत से जुड़ी रहे।”

14

“बाहर मत खोजो — परमशांति तुम्हारे भीतर ही
है।”

परमशांति पुस्तकालय

बापूजी दशरथभाई पटेल की और पुस्तकें पढ़ें

निम्नलिखित पुस्तकें बापूजी दशरथभाई पटेल की दिव्य
शिक्षाओं और **बेहद ज्ञान** पर आधारित एक निरंतर बढ़ती
आध्यात्मिक ज्ञान शृंखला का हिस्सा हैं। प्रत्येक ई-पुस्तक

ज्ञान दान महादान की भावना से साझा की गई है। संपूर्ण संग्रह www.paramshantiblogs.org पर देखें — ये पुस्तकें विश्वभर के प्रमुख ई-बुक स्टोर्स और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी उपलब्ध हैं।

परमशांति पुस्तक संग्रह अनेक भाषाओं में **300 से अधिक पुस्तकों एवं संस्करणों** तक पहुँच चुका है, जो बापूजी की शिक्षाओं को विश्वभर के पाठकों तक पहुँचा रहा है।

अब **25 से अधिक भाषाओं** में उपलब्ध, जिनमें विश्व की सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषाएँ भी शामिल हैं — अंग्रेज़ी, हिंदी, बांग्ला, रूसी, जापानी, चीनी, स्पेनिश, इंडोनेशियाई, फ्रेंच, जर्मन, अरबी, पुर्तगाली, गुजराती, तेलुगु, नेपाली आदि।

नए अनुवाद नियमित रूप से प्रकाशित होते हैं, इसलिए जिस पुस्तक को आप खोज रहे हैं, वह संभवतः आपकी भाषा में

पहले से उपलब्ध हो। नए प्रकाशनों, अनुवादों, कार्यक्रमों और अन्य सभी जानकारीयों को सबसे पहले पाने के लिए हमारे चैनल को सब्सक्राइब करें।

2027 में हमारी मुद्रित (फ़िज़िकल) पुस्तकें भी बाज़ार में आ रही हैं। बापूजी दशरथभाई पटेल की पुस्तकें अब छपे हुए रूप में भी आपके हाथों तक पहुँचेंगी।

परमशान्ति इंटरनेट रेडियो अब लाइव है — बापूजी की दिव्य शिक्षाएँ कभी भी, कहीं भी सुनें। यह हमारी वेबसाइट www.paramshantiblogs.org पर उपलब्ध है।

ज्ञान दान में सहयोग — स्वैच्छिक योगदान

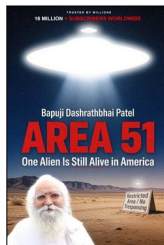
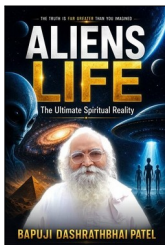
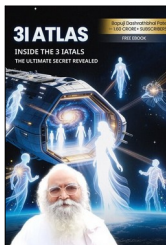
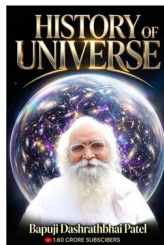
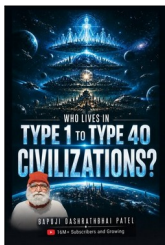
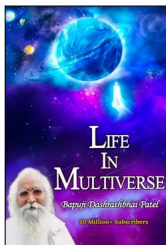
हमारी सभी शिक्षाएँ **ज्ञान दान महादान** की भावना से साझा की जाती हैं। हमारी ई-पुस्तकें, वीडियो, ध्यान सत्र और आध्यात्मिक कक्षाएँ पूर्णतः निःशुल्क हैं।

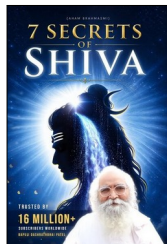
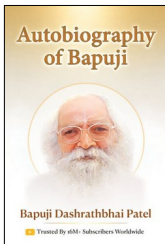
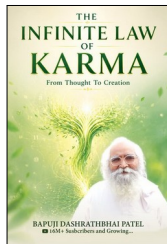
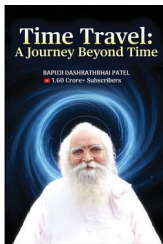
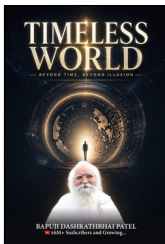
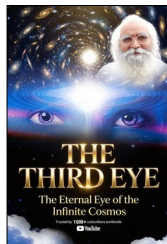
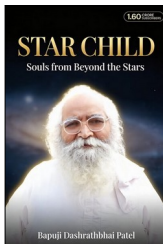
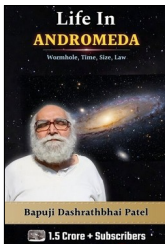
मुद्रित पुस्तकें ही एकमात्र अपवाद हैं। एक मुद्रित पुस्तक में

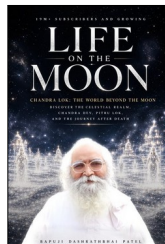
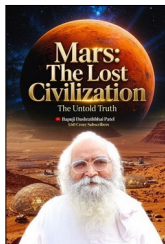
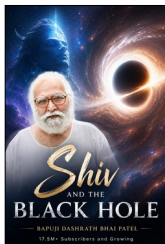
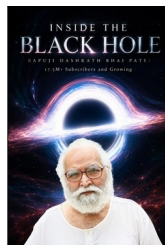
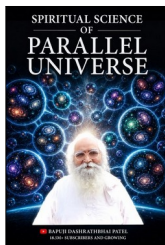
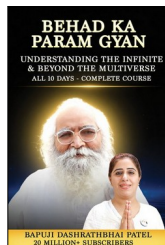
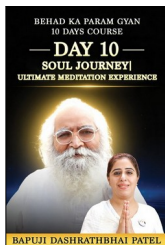
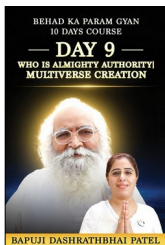
वास्तविक उत्पादन और छपाई का खर्च लगता है। केवल वही खर्च लिया जाता है। ज्ञान के लिए कभी कोई शुल्क नहीं लिया जाता।

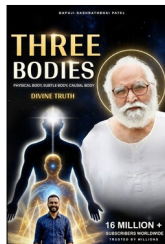
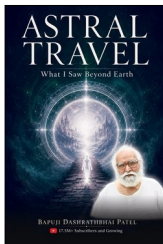
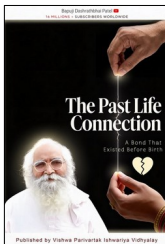
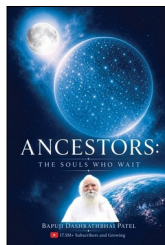
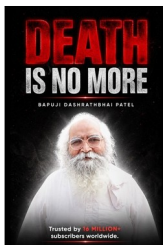
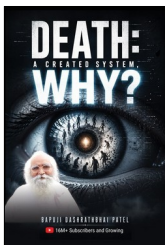
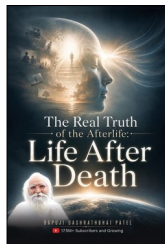
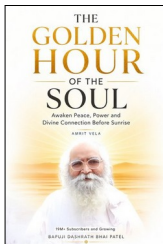
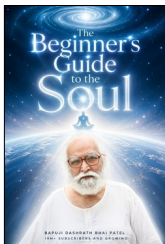
यदि आप इस ज्ञान-सेवा को आगे बढ़ाने में सहयोग करना चाहते हैं, तो आप ट्रस्ट को स्वैच्छिक योगदान दे सकते हैं। प्रत्येक योगदान स्वेच्छा से दिया जाता है। इसका उपयोग केवल बापूजी की शिक्षाओं को अधिक लोगों तक पहुँचाने के लिए किया जाता है।

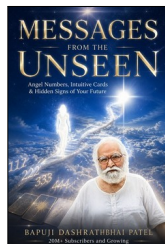
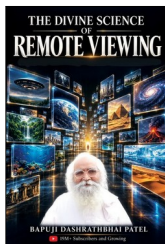
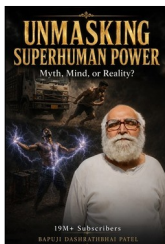
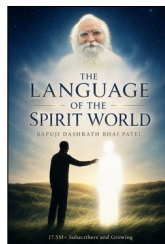
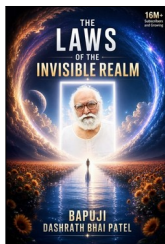
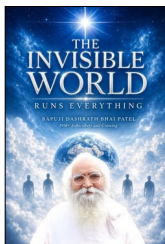
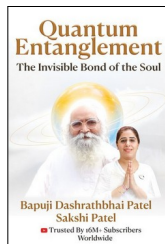
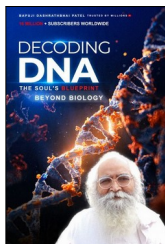
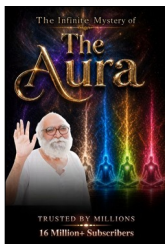
विश्वभर के आध्यात्मिक जिज्ञासुओं और पाठकों की पसंद — अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रिय पुस्तकें

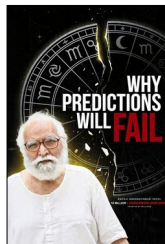
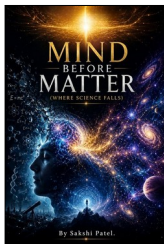
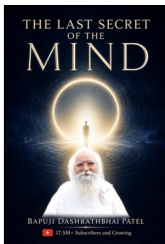
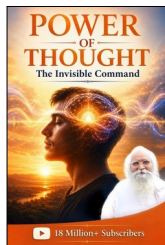
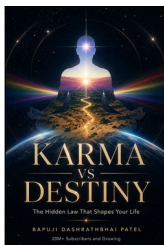
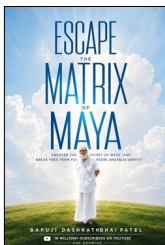
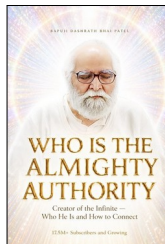
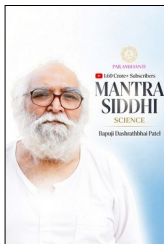
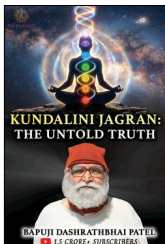


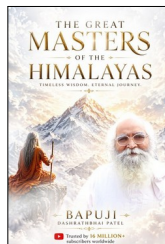
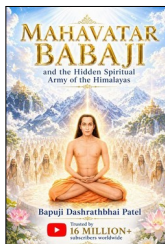
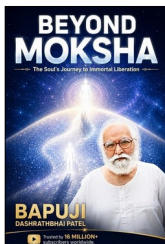
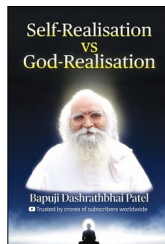
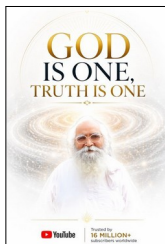
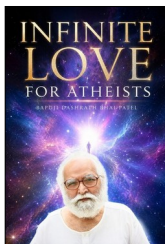
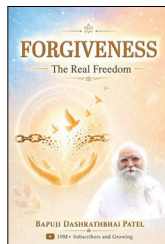
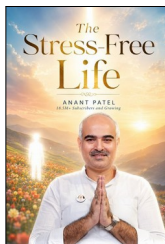
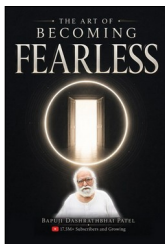


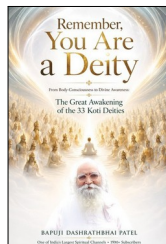
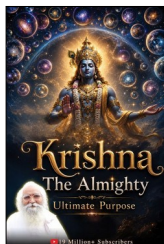
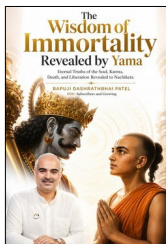
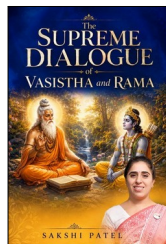
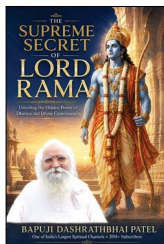
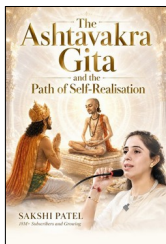
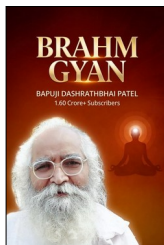
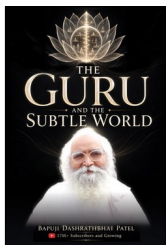


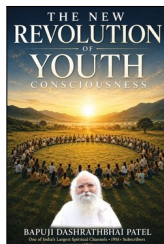
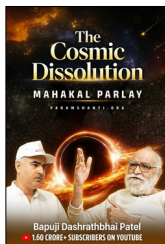
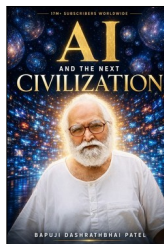
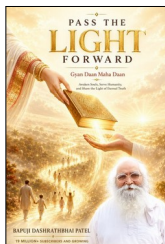
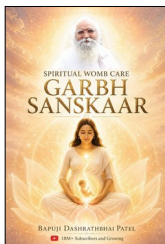
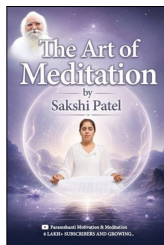
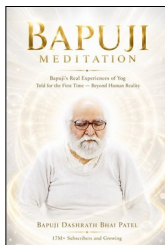
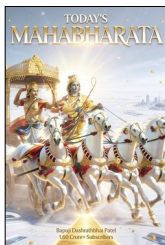


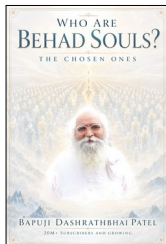
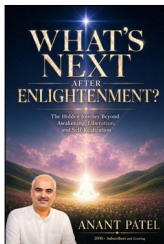
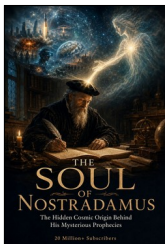
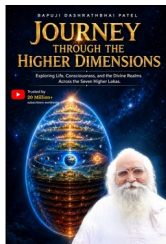
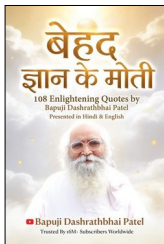
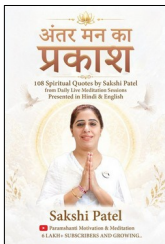
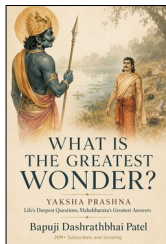
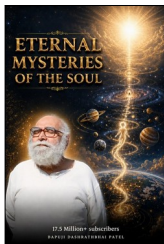
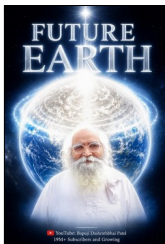


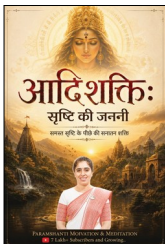












परमशांति पुस्तक शृंखला

अपनी आध्यात्मिक यात्रा जारी रखें

1. The Infinite Law of Karma: From Thought to Creation (अन्य भाषाएँ: हिंदी, तेलुगु)
2. Who Lives in Type 1 to Type 40 Civilizations? (अन्य भाषाएँ: चीनी, हिंदी, रूसी, स्पेनिश)
3. Life in Multiverse (अन्य भाषाएँ: हिंदी, चीनी, जापानी, रूसी, स्पेनिश, अरबी, पुर्तगाली, नेपाली, इंडोनेशियाई, जर्मन, फ्रेंच, बांग्ला)
4. Spiritual Science of Parallel Universe (अन्य भाषाएँ: चीनी, रूसी, स्पेनिश)
5. The Divine Science of Remote Viewing

6. Pass the Light Forward (Gyan Daan Maha Daan) (अन्य भाषाएँ: हिंदी)
7. 7 Secrets of Shiva (अन्य भाषाएँ: बांग्ला, हिंदी, इंडोनेशियाई, जापानी, रूसी)
8. The Paramshanti Maha Mantra (अन्य भाषाएँ: बांग्ला, हिंदी)
9. Beyond the Old World: The Journey to 100D (अन्य भाषाएँ: हिंदी)
10. The Infinite Mystery of the Aura (अन्य भाषाएँ: हिंदी, रूसी, स्पेनिश, तेलुगु)
11. Quantum Entanglement
12. Atmaswarup: Beyond Death
13. Soul Healing (अन्य भाषाएँ: चीनी, हिंदी, रूसी)
14. Life in Andromeda (अन्य भाषाएँ: अरबी, बांग्ला, चीनी, जर्मन, इंडोनेशियाई, जापानी, रूसी)
15. 3i Atlas: Inside the 3i Atlas (अन्य भाषाएँ: अरबी, चीनी, इंडोनेशियाई, जापानी, रूसी)
16. AI Stealing Soul Power

17. Who Are Behad Souls?: The Chosen Ones
(अन्य भाषाएँ: हिंदी)
18. Inside the Sun Secrets (अन्य भाषाएँ: हिंदी)
19. Area 51 (अन्य भाषाएँ: चीनी, इंडोनेशियाई, रूसी)
20. History of Universe (अन्य भाषाएँ: अरबी, चीनी, जर्मन, हिंदी, इंडोनेशियाई, जापानी, रूसी, स्पेनिश)
21. Decoding DNA: The Soul's Blueprint
Beyond Biology (अन्य भाषाएँ: हिंदी)
22. Self Realisation vs God Realisation
23. The Third Eye: Soul Supreme Cosmic
Vision (अन्य भाषाएँ: बांग्ला, हिंदी)
24. Mantra Siddhi (अन्य भाषाएँ: बांग्ला, हिंदी)
25. Kundalini Jagran (अन्य भाषाएँ: हिंदी)
26. Brahm Gyan (अन्य भाषाएँ: बांग्ला)
27. आत्मस्वरूप से परमलाइट की प्राप्ति
28. Anant Koti Brahmandon Ka Mahakal Pralay
(अन्य भाषाएँ: हिंदी)
29. Supreme Knowledge of the Infinite
30. Death Is No More

31. Star Child (अन्य भाषाएँ: फ्रेंच, इंडोनेशियाई, जापानी, रूसी, स्पेनिश)
32. Time Travel: A Journey Beyond Time (अन्य भाषाएँ: चीनी, जर्मन, हिंदी, जापानी)
33. Today's Mahabharata (अन्य भाषाएँ: बांग्ला)
34. The Akashic Delete Code (अन्य भाषाएँ: रूसी)
35. Unmasking Superhuman Powers: Myth, Mind or Reality? (अन्य भाषाएँ: हिंदी, रूसी)
36. Kailash: The Real Secret (अन्य भाषाएँ: हिंदी)
37. Power of Vibration (अन्य भाषाएँ: हिंदी, रूसी)
38. Secrets of Afterlife (अन्य भाषाएँ: हिंदी)
39. Bharat: The Eternal World Teacher (अन्य भाषाएँ: बांग्ला, चीनी, हिंदी, स्पेनिश)
40. Three Bodies: Physical, Subtle, Causal (अन्य भाषाएँ: बांग्ला, हिंदी, जापानी, पुर्तगाली, रूसी)
41. The Source of Your Will: Free Will vs God's Will
42. Timeless World: Beyond Time, Beyond Illusion

43. Autobiography of Bapuji (अन्य भाषाएँ: बांग्ला, चीनी, फ्रेंच, हिंदी, रूसी, स्पेनिश)
44. Forgiveness: The Real Freedom (अन्य भाषाएँ: रूसी)
45. Behad Gyan Ke Moti — 108 Quotes by Bapuji (उद्धरण हिंदी एवं अंग्रेज़ी में)
46. Antar Man Ki Awaaz — 108 Quotes by Anant Patel (उद्धरण हिंदी एवं अंग्रेज़ी में)
47. Antar Man Ka Prakash — 108 Quotes by Sakshi Patel (उद्धरण हिंदी एवं अंग्रेज़ी में)
48. Mahavatar Babaji and the Hidden Spiritual Army (अन्य भाषाएँ: हिंदी)
49. Soul Consciousness: The Gateway to Paramshanti (अन्य भाषाएँ: बांग्ला, चीनी, हिंदी, स्पेनिश)
50. Behad Gyan — Day 1: Who Am I? (अन्य भाषाएँ: बांग्ला, हिंदी, जापानी)
51. Behad Gyan — Day 2: Karma & Rebirth (अन्य भाषाएँ: बांग्ला, हिंदी, जापानी)

52. Behad Gyan — Day 3: Time and Dimensions (अन्य भाषाएँ: बांग्ला, हिंदी, जापानी)
53. Behad Gyan — Day 4: Creation of Earth (अन्य भाषाएँ: बांग्ला, हिंदी, जापानी)
54. Behad Gyan — Day 5: Galaxy Creation (अन्य भाषाएँ: बांग्ला, हिंदी, जापानी)
55. Behad Gyan — Day 6: Universe and Multiverse (अन्य भाषाएँ: बांग्ला, हिंदी, जापानी)
56. Behad Gyan — Day 7: Creation of Multiverse (अन्य भाषाएँ: बांग्ला, हिंदी, जापानी)
57. Behad Gyan — Day 8: The Infinite Cosmic System (अन्य भाषाएँ: बांग्ला, हिंदी, जापानी)
58. Behad Gyan — Day 9: Who Is the Almighty Authority? (अन्य भाषाएँ: बांग्ला, हिंदी, जापानी)
59. Behad Gyan — Day 10: Soul Journey (अन्य भाषाएँ: बांग्ला, हिंदी, जापानी)
60. The Creation Law: Law of Attraction & Manifestation (अन्य भाषाएँ: बांग्ला, रूसी)

61. Aliens Life: The Ultimate Spiritual Reality
(अन्य भाषाएँ: बांग्ला, चीनी, इंडोनेशियाई, जापानी, रूसी, स्पेनिश)
62. The Real Truth of Afterlife: Life After Death
(अन्य भाषाएँ: चीनी, हिंदी)
63. Shiv and the Black Hole (अन्य भाषाएँ: रूसी)
64. Mars: The Lost Civilization (अन्य भाषाएँ: बांग्ला, चीनी, फ्रेंच, जर्मन, जापानी, रूसी)
65. Pyramids: Soul Mystery (अन्य भाषाएँ: चीनी, फ्रेंच, रूसी)
66. Soul Journey (अन्य भाषाएँ: बांग्ला, चीनी, इंडोनेशियाई, जापानी, रूसी)
67. The Almighty Authority
68. The Hidden Science of Souls: Divine
Mystery of Soul Kalas, Powers, Levels and
Categories (अन्य भाषाएँ: हिंदी)
69. Astral Travel: What I Saw Beyond Earth
(अन्य भाषाएँ: चीनी, जापानी)
70. Death: A Created System, Why?

71. Ancestors: The Souls Who Wait (अन्य भाषाएँ: हिंदी, रूसी)
72. The Untold Story of Earth: From Light to Matter (अन्य भाषाएँ: चीनी, हिंदी)
73. Eternal Mysteries of the Soul (अन्य भाषाएँ: हिंदी, रूसी)
74. The Soul Never Sleeps (अन्य भाषाएँ: हिंदी)
75. The Memory of the Soul: Who Shows Your Past Life? (अन्य भाषाएँ: रूसी)
76. The Cosmic Gita
77. The Ashtavakra Gita (अन्य भाषाएँ: हिंदी)
78. The Great Masters of the Himalayas (अन्य भाषाएँ: हिंदी)
79. Infinite Love for Atheists (अन्य भाषाएँ: हिंदी)
80. God is One, Truth is One
81. Beyond Moksha: The Soul's Journey to Immortal Liberation
82. Mind Before Matter (अन्य भाषाएँ: हिंदी)

83. The Language of the Spirit World (अन्य भाषाएँ: चीनी, जापानी)
84. Laws of the Invisible Realm (अन्य भाषाएँ: हिंदी)
85. The Roadmap of the Multiverse (अन्य भाषाएँ: बांग्ला, हिंदी, इंडोनेशियाई, जापानी, रूसी)
86. Why Predictions Fail
87. The Art of Becoming Fearless (अन्य भाषाएँ: हिंदी)
88. The Stress-Free Life
89. Bapuji Meditation (अन्य भाषाएँ: हिंदी)
90. The Art of Meditation (अन्य भाषाएँ: हिंदी)
91. The Eternal Sound of the Universe
92. AI and the Next Civilization
93. Power of Thought (अन्य भाषाएँ: फ्रेंच, हिंदी, रूसी, स्पेनिश)
94. The Golden Hour of the Soul (अन्य भाषाएँ: हिंदी)
95. Spiritual Womb Care: Garbh Sanskaar (अन्य भाषाएँ: हिंदी)

96. The Last Secret of the Mind (अन्य भाषाएँ: बांग्ला, हिंदी)
97. The Guru and the Subtle World (अन्य भाषाएँ: हिंदी)
98. ज्ञानी आत्माओं के 4 महान पुरुषार्थ: ज्ञान, योग, सेवा, धारणा
99. The Past Life Connection: A Bond That Existed Before Birth (अन्य भाषाएँ: हिंदी)
100. The Beginner's Guide to the Soul: Understand Your True Self and Begin Your Spiritual Awakening
101. The New Revolution of Youth Consciousness
102. Journey Through the Higher Dimensions
103. The Supreme Dialogue of Vasistha and Rama
104. The Wisdom of Immortality Revealed by Yama
105. Messages from the Unseen

106. Life on the Moon: Chandra Lok, the World Beyond the Moon
107. What Is the Greatest Wonder? Yaksha Prashna
108. The Soul of Nostradamus: The Hidden Cosmic Origin Behind His Mysterious Prophecies
109. आदि शक्ति — सृष्टि की जननी, समस्त सृष्टि के पीछे की सनातन शक्ति (अन्य भाषाएँ: अंग्रेज़ी, गुजराती)
110. Krishna The Almighty: Ultimate Purpose (अन्य भाषाएँ: हिंदी, रूसी, चीनी, बांग्ला, स्पेनिश, जापानी, इंडोनेशियाई, फ्रेंच, पुर्तगाली, गुजराती)
111. The Supreme Secret of Lord Rama: Unveiling the Hidden Power of Dharma and Divine Consciousness (अन्य भाषाएँ: हिंदी, रूसी)
112. Remember, You Are a Deity — From Body-Consciousness to Divine Awareness: The Great Awakening of the 33 Koti Deities (अन्य भाषाएँ: हिंदी)

- 113. Future Earth (अन्य भाषाएँ: हिंदी)
- 114. Escape the Matrix of Maya: Uncover the Secret of Maya and Break Free from Fear, Desire, and False Identity
- 115. Behad Ka Param Gyan: Understanding the Infinite & Beyond the Multiverse — All 10 Days Complete Course
- 116. Inside the Black Hole (अन्य भाषाएँ: हिंदी)
- 117. The Invisible World Runs Everything (अन्य भाषाएँ: हिंदी)
- 118. Karma vs Destiny
- 119. What's Next After Enlightenment? The Hidden Journey Beyond Awakening, Liberation, and Self-Realization
- 120. AI: The Next God? — When Intelligence Begins to Look Divine

...और भी अनेक पुस्तकें, नियमित रूप से प्रकाशित होने वाले नए शीर्षकों के साथ।

पुस्तकों की नवीनतम जानकारी के लिए देखें:

<https://www.paramshantiblogs.org/books-library>

“ज्ञान दान महादान”

ज्ञान का दान ही सर्वोच्च दान है

— बापूजी दशरथभाई पटेल



यह वीडियो 5 अक्टूबर 2026 को “बापूजी दशरथभाई पटेल” यूट्यूब चैनल पर रिलीज़ हुआ है।

देखें • सुनें • जागें



बापूजी दशरथभाई पटेल

@bapujidashrathbhaipatel • आधिकारिक यूट्यूब चैनल

2 करोड़+

45 करोड़+

6,500+

सब्सक्राइबर्स

कुल व्यूज़

वीडियो

निःशुल्क आध्यात्मिक ज्ञान — दैनिक सत्संग, ध्यान और
बापूजी दशरथभाई पटेल का बेहद का परम ज्ञान, 130+ देशों
के साधकों के साथ साझा।



चैनल खोलने के लिए स्कैन करें

youtube.com/@bapujidashrathbhaipatel

आगामी फिल्म

जल्द आ रही है



परमशांति

अंतिम परम सत्य



बापूजी दशरथभाई पटेल पर एक आध्यात्मिक फिल्म

विश्व परिवर्तक ईश्वरीय विद्यालय द्वारा प्रस्तुत

2026 में

शीघ्र ही... संसार जान जाएगा

यह फिल्म बापूजी के दिव्य और प्रेरणादायी जीवन की अद्भुत यात्रा को दर्शाती है — एक ऐसे जिज्ञासु युवा की कहानी,

जिसने मानव जीवन के दुःख, संघर्ष और अस्तित्व के रहस्यों को समझने के लिए ईश्वर से प्रश्न किए। सत्य की खोज में निरंतर साधना, आत्मचिंतन और आध्यात्मिक अनुभूतियों के माध्यम से उन्होंने परमशांति और अंतिम परम सत्य का साक्षात्कार किया।

बापूजी दशरथभाई पटेल के अलौकिक जीवन, उनकी आध्यात्मिक साधना और दिव्य अनुभूति पर आधारित यह आगामी जीवनी फिल्म दर्शकों को आत्मज्ञान, श्रद्धा और मानवता के गहरे आध्यात्मिक संदेश से जोड़ने का प्रयास करती है।

शीघ्र आ रही है...



विश्व की दिव्य आत्माओं के लिए संदेश



आपने दुनिया के बारे में बहुत कुछ जानने की कोशिश की है, लेकिन क्या कभी स्वयं से पूछा है—**मैं कौन हूँ? मेरा जीवन क्यों है? मेरा मन मेरे नियंत्रण में क्यों नहीं रहता? और**

जिस शांति को मैं बाहर खोज रहा हूँ, वह वास्तव में कहाँ है?

अध्यात्म संसार से भागने का रास्ता नहीं है। यह संसार में रहते हुए स्वयं को समझने की कला है।

ज्ञानयोग आपको कुछ नया मानने के लिए मजबूर नहीं करता वह आपको स्वयं को देखने के लिए प्रेरित करता है।

प्रतिदिन थोड़ा समय अपने लिए निकालिए। अपने विचारों को देखिए, कुछ श्रेष्ठ ज्ञान सुनिए और स्वयं से प्रश्न कीजिए —“आज मैंने अपने शरीर और संसार के लिए बहुत कुछ किया, लेकिन अपनी आत्मा के लिए क्या किया?”

ज्ञान की यात्रा हजार कदमों से नहीं,
एक सच्चे प्रश्न से शुरू होती है।

संपर्क सूत्र

हमसे जुड़ें

बापूजी और परमशांति परिवार के साथ इस आध्यात्मिक यात्रा को आगे बढ़ाएँ। प्रतिदिन होने वाले लाइव सत्र, मार्गदर्शित ध्यान और बापूजी के वीडियो प्रवचन — सभी के लिए निःशुल्क और खुले हैं।

व्हाट्सएप हेल्पलाइन

97111 34888 • 70410 34888 • 80550 36764

ईमेल

anant@paramshanti.org

info@paramshanti.org

वेबसाइट

www.paramshanti.org

www.paramshantiblogs.org

यूट्यूब चैनल

बापूजी दशरथभाई पटेल

youtube.com/@BapujiDashrathbhaiPatel

माँ का दिव्य संदेश

youtube.com/@maakadivvyasandesh7661

स्फिरिचुअल पॉडकास्ट विद अनंत

youtube.com/@spiritualpodcastwithanant

परमशांति मोटिवेशन एंड मेडिटेशन

youtube.com/@paramshantimeditation

इंस्टाग्राम

बापूजी दशरथभाई पटेल

instagram.com/bapujidashrathbhaipatel

परमशांति मोटिवेशन एंड मेडिटेशन

instagram.com/paramshanti.motivation

स्फिरिचुअल पॉडकास्ट विद अनंत

instagram.com/spiritualpodcastwithanant

स्कैन करें, जुड़ें

मोबाइल कैमरे से स्कैन करें



यूट्यूब

बापूजी दशरथभाई पटेल



यूट्यूब

परमशांति मोटिवेशन एंड
मेडिटेशन



इंस्टाग्राम

बापूजी दशरथभाई पटेल



गूगल प्ले बुक्स

बापूजी की सभी पुस्तकें



वेबसाइट

परमशांति पुस्तकालय



अमेज़न

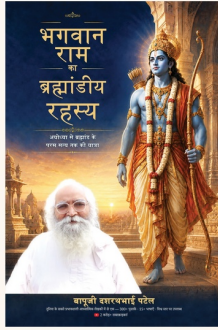
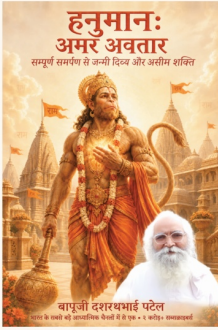
बापूजी की सभी पुस्तकें



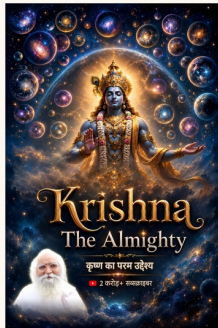
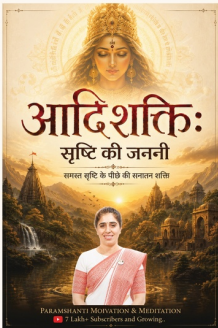
व्हाट्सएप चैनल

**Bapuji Dashrathbhai Patel Param Shanti
Official Channel**

बापूजी का आधिकारिक चैनल — कोई भी व्हाट्सएप पर निःशुल्क जुड़ सकता है।



**“मैं बदलूँगा,
तो मेरा संसार
बदलेगा;
हम बदलेंगे,
तो विश्व बदलेगा।”**



आज मानवता को केवल बाहरी परिवर्तन नहीं, चेतना के परिवर्तन की आवश्यकता है। यह पॉकेट पुस्तक बापूजी दशरथभाई पटेल के ज्ञान का सार है — ज्ञान और योग का महत्व, आत्मकल्याण, जीवन का उद्देश्य और परमशांति महामंत्र। स्वयं को जानिए, स्वयं को बदलिए — विश्व बदल जाएगा।

www.paramshantiblogs.org

Free e-book
available

परमशांति

www.paramshanti.org ज्ञान दान महादान
youtube.com/@BapujiDashrathbhaiPatel